मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

EHD–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी. डी. पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023
(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)
ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** काव्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानस चून॥

(ख) हेरी म्हारा दरद दिवाणी म्हारां दरद न जाणयाँ कोइ।
घायल की गति घाइल जाणै, किंतिणा घाण होय।
जौहरी की गति जौहरी जाणै, क्या जाण्या जिण खोय।
दरद की मारयां दर-दर ढोल्यां बैद मिलणाना कोय।
मीरा री प्रभु पीर मिटांगा जब बैद सांवरियाँ होय।

(ग) लाल बिना बिरहाकुल बाल वियोग की ज्वाल भई झूरि झूरि।
पौन ओ पानी सो प्रेम कहानी सौं पान ज्यौं प्रानीन राखत दूरी।
'देव जू' आज मिलाप की औछि सो बीतत देख बिसेख बिसरो।
हाथ उठायो उडायवे को उड़ि काग गरे गिरि चारिक चूरी।

(घ) पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला
घेर ले छाया अमा बन
आज कज्जल-अश्रुओं में रिमझिम ले यह घिरा घन,
और होंगे नयन सूखे
तिल बुझे औ ! पलक रूखे,
आर्द्र चितवन में यहाँ
शत-विद्युतों में दीप खेला !

(ङ) न घर-बार मेरा, न उद्देश्य मेरा
न इच्छा किसी की, न आशा किसी की
न प्रेमी, न दुश्मन
जिधर चाहती हूँ, उधर घूमती हूँ
हवा हूँ, हवा मैं बसंती हवा हूँ।

(च) व्यक्ति का है धर्म तप, करुणा, क्षमा,
व्यक्ति की शोभा विनय भी, त्याग भी,
किन्तु, उठता प्रश्न जब समुदाय का,
भूलना पड़ता हमें तप-त्याग को।

2. 'कुरुक्षेत्र' की प्रासंगिकता और महत्व पर प्रकाश डालिए। 16

3. 'सुमित्रानंदन पंत के काव्य में प्रकृति-वर्णन' विषय पर निबंध लिखिए। 16

4. बिहारी के काव्य की विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 16

5. द्विवेदीयुगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ बताइए। 16

6. अज्ञेय के काव्य के संरचना-शिल्प पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 16

7. सूरदास के काव्य में भक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 16

8. आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 16

9. समकालीन हिंदी काव्य में धूमिल का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(क) निर्गुण काव्यधारा

(ख) घनानंद का काव्य

(ग) मैथिलीशरण गुप्त का काव्य

(घ) प्रयोगवाद